

## Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 22 जुलाई, 2023

### टाइगर आर्कडि

जवाहरलाल नेहरू उष्णकटबिंधीय वनस्पति उद्यान और अनुसंधान संस्थान (JNTBGRI), पालोड में टाइगर आर्कडि (ग्रैमेटोफलिम स्पेशियोसम) खलि रहे हैं। इस पौधे को गनीज़ बुक ऑफ वरल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा विश्व के सबसे ऊँचे आर्कडि के रूप में सूचीबद्ध किया गया था।



पौधे के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य:

- मूल वितरण: इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, पापुआ न्यू गिनी।
- मूल आवास स्थान: स्थलीय (प्राथमिक वर्षावन, मीठे जल के दलदली वन, नदी क्षेत्र)।
- पसंदीदा जलवायु क्षेत्र: उष्णकटबिंधीय, उपोष्णकटबिंधीय/मानसूनी क्षेत्र।
- CITES सुरक्षा: हाँ (परशिष्ट II)।
- वृद्धि स्वरूप: इसका तना 3 मीटर या उससे अधिक लंबा और 5 सेमी. तक मोटा होता है। यह विश्व की सबसे बड़ी आर्कडि प्रजाति भी है।

और पढ़ें... [भारत में दुर्लभ आर्कडि](#)

### बूरा चापोरी वन्यजीव अभयारण्य

हाल ही में असम के बूरा चापोरी वन्यजीव अभयारण्य में हिसा भडक उठी, जिसके परिणामस्वरूप एक महिला की मौत हो गई और वन रक्षकों सहित छह अन्य घायल हो गए।

वन्यजीव अभयारण्य के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य:

- परिचय: यह लाओखोवा-बूरा चापोरी पारसिथितिकी तंत्र का हिस्सा है।
- स्थान: [बरहमपुत्र नदी](#) का दक्षिणी तट।
- जीव-जंतु: यह अभयारण्य महान [भारतीय एक सींग वाले गैंडे](#), [बाघ](#), [तेंदुए](#), [जंगली भैंस](#), [हॉग हरिण](#), [जंगली सुअर](#) और [हाथियों](#) का नविस स्थल है।
  - पक्षियों की सूची में [बंगाल फ्लोरकिन](#) (अत्यधिक लुप्तप्राय), [ब्लैक-नेकड स्टॉर्क](#), [मल्लार्ड](#), [ओपन बिल्ड स्टॉर्क](#), [टील](#) और [व्हिसिलिगि डक](#) शामिल हैं।
  - कई [आर्द्रभूमियों](#) के कारण यह [सर्दियों के मौसम में प्रवासी पक्षियों](#) की कई प्रजातियों के लिये एक आदर्श प्रजनन स्थान है।
- वनस्पति: यह घास का मैदान विभिन्न प्रकार की औषधीय जड़ी-बूटियों और पौधों से भी समृद्ध है।

## श्रीवलिलिपुथुर-मेगामलाई टाइगर रज़िर्व

- वन विभाग ने थेनी में मेगामलाई डिवीज़न के श्रीवलिलिपुथुर मेगामलाई टाइगर रज़िर्व (SMTR) में 12 अवैध, अनधिकृत या गैर-मान्यता प्राप्त रिसॉर्ट्स की पहचान की है।

वन्यजीव अभयारण्य के बारे में महत्त्वपूर्ण तथ्य:

- **परिचय:** इस टाइगर रज़िर्व की स्थापना फरवरी 2021 में हुई थी।
  - यह टाइगर रज़िर्व तमलिनाडु का पाँचवाँ और भारत का 51वाँ टाइगर रज़िर्व है।
  - यह वैगई के प्राथमिक जलग्रहण क्षेत्र मेगामलाई को सुरक्षा प्रदान करता है, जिससे नदी का जल स्तर बढ़ने में मदद मिलती है।
- **जीव-जंतु:** यहाँ पाए जाने वाले प्रमुख जानवर **बंगाल टाइगर, हाथी, गौर, भारतीय वशालकाय गलिहरी, तेंदुआ, नीलगरि तिहर** आदि हैं।
- **वनस्पति:** इस रज़िर्व में उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन और अर्द्ध-सदाबहार वन, शुष्क पर्णपाती वन तथा नम मश्रिति पर्णपाती वन एवं घास के मैदान पाए जाते हैं।
- **तमलिनाडु के अन्य चार टाइगर रज़िर्व:**
  - [अनामलाई टाइगर रज़िर्व](#)
  - [कलककड मुंडनथुराई टाइगर रज़िर्व](#)
  - [मुदुमलाई टाइगर रज़िर्व](#)
  - [सतयमंगलम टाइगर रज़िर्व](#)

और पढ़ें... [श्रीवलिलिपुथुर-मेगामलाई टाइगर रज़िर्व और वैगई नदी: तमलिनाडु](#)

## टंकाई वधि

[संस्कृत भिंतुरालय](#) एवं भारतीय नौसेना ने "जहाज़ निर्माण की प्राचीन सलाई वाली वधि (टंकाई पद्धति)" को पुनर्जीवित करने के लिये एक समझौता ज्ञापन (MOU) पर हस्ताक्षर किये। भारतीय नौसेना पूरे प्रोजेक्ट के करियान्वयन के साथ इसकी नगिरानी करेगी।

- 'जहाज़ निर्माण की प्राचीन सलाई वाली वधि' एक पारंपरिक नाव निर्माण तकनीक है जिसमें नाव के तख्तों को कील या पेंच का उपयोग करने के बजाय रस्सी या तार से एक साथ सलिना शामिल है।
- वशिष्ठ के कुछ भागों में अभी भी छोटी नावों के निर्माण के लिये इस पद्धति का उपयोग किया जाता है। यह जहाज़ निर्माण की 2000 वर्ष पुरानी तकनीक है जिसे 'सलाई जहाज़ निर्माण वधि' के नाम से जाना जाता है।
- ऐतिहासिक महत्त्व और [पारंपरिक शिल्प कौशल के संरक्षण](#) को देखते हुए सलि हुए जहाज़ का भारत में महत्त्वपूर्ण सांस्कृतिक मूल्य है।
- इन जहाज़ों ने लचीलेपन और स्थायित्व के कारण इन्हें **उथले और रेतीली चट्टानों से होने वाले हानिकी आशंका कम** हो गई।

और पढ़ें... [वर्ष 2030 तक ग्रीन शिप बिल्डिंग के लिये ग्लोबल हब](#)